बदलाव

कैबिनेट मंत्री ने दस दिवसीय माटीकला मेले का किया उद्घाटन

सरकार की मदद से बदल रहा कुम्हारी कला से जुड़े लोगों का जीवन : सिद्धार्थनाथ

लखनऊ। खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने बुधवार को उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड की ओर से संगीत नाटक अकादमी परिसर में 10 दिवसीय माटीकला मेला का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने बोर्ड की नई वेबसाइट भी लांच की। उन्होंने कहा कि कुम्हारी कला से जुड़े व्यक्तियों को मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के माध्यम से वित्तीय सहायता देकर इकाइयां स्थापित कराई जा रही हैं।

शिल्पकारों और कारीगरों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। अलग-अलग साइज की डाई मुफ्त बंटवाई जा रही है। इससे उनके जीवन में बड़ा बदलाव आ रहा है। अपर मुख्य सचिव खादी एवं ग्रामोद्योग डॉ. नवनीत सहगल ने कहा कि प्रदर्शनी में 100 स्टाल लगाए गए हैं, जिन्हें कारीगरों को निशुल्क आवंटित किया गया है। इन प्रयासों से यहां चीन की बनी मूर्तियों की मांग कम हुई है और स्थानीय कारीगरों के उत्पादों की ज्यादा बिक्री हो रही है। ब्यूरो

खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने बुधवार को संगीत नाटक अकादमी परिसर में 10 दिवसीय माटीकला मेले का उद्घाटन किया। -अमर उजाला

राज्यस्तरीय माटी कला पुरस्कार से सम्मानित

कार्यक्रम में मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने राज्यस्तरीय माटी कला पुरस्कार के अंतर्गत राजन प्रजापति (गोरखपुर) को प्रथम पुरस्कार के तौर पर 40 हजार रुपये, सोहित कुमार प्रजापति (आजमगढ़) को द्वितीय पुरस्कार 30 हजार रुपये और हरीराम उज्जैनीकला (गोंडा) को तृतीय पुरस्कार पाने पर 20 हजार रुपये की राशि देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार के 5 लाभार्थियों को ऋण प्रमाण पत्र वितरित किए और 100 लाभार्थियों को टूल किट्स भी बांटी। इस अवसर पर राज्यमंत्री, खादी तथा ग्रामोद्योग विभाग चौधरी उदय भान सिंह, औद्योगिक विकास राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति और उपाध्यक्ष, खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड राम गोपाल उर्फ गोपाल अंजान भी उपस्थित रहे।